चमन लाल खन्ना

चमन लाल खन्ना का जन्म पंजाब के ज़िला कपूरथला में 1923 में हुआ। उनके पिता कपड़े का कारोबार करते थे, और चमन ने घर छोड़ने के बाद अमृतसर में अपना कारोबार शुरू किया।

1949 में उन्होंने सश्मावती कौड़ा से विवाह किया और इनकी दो बेटिआँ हुईं। कारोबार तो अच्छा था, फिर भी चमन अपने और अपने परिवार के जीवन को और अच्छा बनाना चाहते थे। 1954 में वे लिवरपूल आकर लाजपत विज के पास ठहरे।

उन्होंने फेरीवाले का काम शुरू किया। ख़ूब मेहनत की और अगले वर्ष तक अपने परिवार को मँगवाने के लिए घर ले लिया। 1960 के दशक के शुरू में चमन ने हायटन में पहली कपड़े की दुकान शुरू की। इसके बाद दो और दुकानें खोलीं, और 1980 के दशक में उन्होंमने अपना सफल थोक कारोबार शुरू कर लिया।

इस समय में वे स्थानीय भारतीय समुदाय में महत्त्वशाली व्यक्ति रहे। 1960 के दशक में में उन्होंने बोटैनिक रोड पर मंदिर बनाने का अभियान शुरू किया और 12 वर्ष इसके सैक्रेटरी रहे। 1994 में चमन लाल का देहांत हुआ। सश्मा 1997 में रिटायर होने तक परिवार का कारोबार चलाती रहीं। वे मानचैस्टर में अपने बेटे के साथ रहती हैं।